PUBLIC SCHOOL DARBHANGA

कक्षा - ४

पाठ - ३ प्रेरक प्रसंग

अभ्यास पत्रिका

प्र०१ सही उत्तर पर (✓) के निशान लगाइए।

क - मालवीय जी के पास कौन से विश्वविद्यालय से पत्र आया?

दिल्ली आगरा कोलकाता

ख -डॉ० राजेन्द्र प्रसाद भारत के कौन से राष्ट्रपति थे?

प्रथम द्वितीय तृतीय

ग- तुलसी के हाथ से क्या टूट कर गिर गया?

फूलदान शीशा पेन

घ- पंडित मदन मोहन मालवीय किस प्रकार के व्यक्ति थे?

दृढ़ - प्रतिज्ञा स्वार्थी परोपकारी

प्र०२ सही कथन पर(✓)और गलत पर (✓)का निशान लगाइए।

क - मालवीय जी हर प्राणी से प्रेम करने वाले और नियमों के पक्के थे।

ख - मालवीय जी ने डॉक्टरेट की उपाधि स्वीकार कर ली।

ग - डॉ० राजेन्द्र प्रसाद भारत के चोथे राष्ट्रपति थे।

घ - डॉ० राजेन्द्र प्रसाद अत्यंत सरल हृदय तथा विनम्र स्वभाव के थे।

ड.- तुलसी के हाथ से पेंसिल गिर कर टूट गई।

प्र०३ दिए गए शब्दों से खाली स्थान भरो।

(सज्जनता , उपकुलपति , चुपचाप , भारतीयता

हाथी दांत)

क - मालवीय जी के पास कोलकाता विश्वविद्यालय

के ..... का पत्र आया।

ख - डॉ० राजेन्द्र प्रसाद के वेशभूषा में.....

के दर्शन होते हैं।

ग - मेज पर ..... से बना एक बहु मूल्य पेन

रखा था।

घ - तुलसी ..... दूसरे कमरे में चला गया।

ड.- सरलता और ..... ही डॉ० राजेन्द्र प्रसाद

का सबसे बड़ा धन था।

प्र०४ दिए गए शब्दों में ' ता ' और ' ई ' प्रत्यय जोड़कर

नए शब्द बनाइए।

मानव + ता =

कायर + ता =

समान + ता =

सफल + ता =

धन + ई =

परोपकारी + ई =

क्रोध + ई =

साहस + ई =

प्र०५ दिए गए शब्दों में ' अप ' और ' वि ' उपसर्ग लगकर नए शब्द बनाइए।

अप + मान =

अप + कार =

अप + यश =

अप + कीर्ति =

वि + नम्र =

वि + मान =

वि + पक्ष =

वि + भोर =

(बच्चो प्रत्यय शब्द के पीछे और उपसर्ग शब्द के आगे
लगते हैं।)

प्र०६ दिए गए शब्दों से वाक्य प्रयोग करो।

अपमान -

उपाधि -

गर्व -

प्र०७ दस श्रुत लेख लिखो।